SEMESTER EXAMINATION-2021

सेमेस्टर परीक्षा-2021

CLASS – M.A. **SUBJECT -** PHILOSOPHY

कक्षा- M.A. **विषय -** दर्शनशास्त्र

PAPER CODE: MPI-C104 **PAPER TITLE –** PHILOSOPHICAL METHODS

प्रश्नपत्र कोड: MPI-C104 **शीर्षक:** दार्शनिक विधियाँ

TIME/अवधि: 3 HOUR/घंटा **MAX. MARKS/ अधिकतम अंक: 70**

MIN. PASS/न्यूनतम अंक: 40%

NOTE: QUESTION PAPER IS DIVIDED INTO TWO SECTIONS**: A AND B**. ATTEMPT BOTH THE SECTIONS AS PER GIVEN INSTRUCTIONS.

नोट: प्रश्नपत्र के दो भाग हैं ए एवं बी। निर्देशानुसार दोनों भाग कीजिये

SECTION-A (SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS)

सेक्शन-ए: लघु उत्तरीय प्रश्न

INSTRUCTIONS: ANSWER ANY FIVE QUESTIONS IN ABOUT 150 WORDS EACH. EACH QUESTION CARRIES SIX MARKS.

निर्देश: किन्ही पांच प्रश्नो के प्रति प्रश्न लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये. प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

(5 X 6 = 30 MARKS)

(5 X 6 = 30 अंक)

Question-1: Write the meaning of philosophical method and explain its importance.

प्रश्न संख्या-1 दार्शनिक विधि का अर्थ लिखते हुए उसका महत्त्व स्पष्ट कीजिये |

Question-2: Explain any two methods, writing the types of philosophical method.

प्रश्न संख्या-2 दार्शनिक विधि के प्रकार लिखते हुए किन्ही 2 विधियों को समझाइये |

Question-3: State the four steps of Descartes' method of doubt.

प्रश्न संख्या-3 देकार्ते की संदेहात्मक विधि के चार चरण बताइये |

Question-4: Explain the *Triad* in Hegel's philosophical method.

प्रश्न संख्या-4 हेगेल की दार्शनिक विधि में *त्रिक* नियम को स्पष्ट करें |

Question-5: Write a short note on comparative method.

प्रश्न संख्या-5 तुलनात्मक विधि पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए |

Question-6: Explain the importance of historical method.

प्रश्न संख्या-6 ऐतिहासिक विधि का महत्त्व स्पष्ट कीजिये |

Question-7: Define Shastrartha and explain its importance.

प्रश्न संख्या-7 शास्त्रार्थ को परिभाषित करते हुए उसका महत्त्व समझाइये |

Question-8: Write the philosophical importance of divine revelation in the form of self-realization.

प्रश्न संख्या-8 दैवी प्रकाशना का आत्म साक्षात्कार के रूप में दार्शनिक महत्त्व बताइये |

Question-9: Clarify the Sad and Asad hetu.

प्रश्न संख्या-9 सद तथा असद हेतु को स्पष्ट कीजिये |

Question-10: Illustrate the Upamana Pramana.

प्रश्न संख्या-10 उपमान प्रमाण को समझाइये |

SECTION-B (LONG ANSWER TYPE QUESTIONS)

सेक्शन-बी (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

INSTRUCTIONS: ANSWER ANY FOUR QUESTIONS IN DETAIL. EACH QUESTION CARRIES 10 MARKS.

निर्देश: किन्ही चार प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिये . प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

(4 X 10 = 40 MARKS)

(4 X 10 = 40 अंक)

Question-11: Describe the dialectical method of Socrates.

प्रश्न संख्या-11 सुकरात की द्वन्द्वात्मक विधि की व्याख्या कीजिये |

Question-12: Write an essay on Husserl's Phenomenology.

प्रश्न संख्या-12 हुसर्ल की फेनोमेनोलोजी पर एक निबंध लिखिए |

Question-13: 'The critical method is a method of philosophical inquiry.' write an essay on this topic.

प्रश्न संख्या-13 'समीक्षात्मक विधि एक दार्शनिक अन्वेषण की विधि है |' इस विषय पर एक निबंध लिखिए |

Question-14: Illustrate the analytical method and explain psychological analysis and metaphysical analysis.

प्रश्न संख्या-14 विश्लेषणात्मक विधि को समझाते हुए मनोवैज्ञानिक विश्लेषण और तत्त्वमीमांसीय विश्लेषण की व्याख्या कीजिये |

Question-15: Review the importance of Vaad, Jalpa and Vitanda in Shastrartha.

प्रश्न संख्या-15 शास्त्रार्थ में वाद, जल्प और वितण्डा के महत्त्व की समीक्षा कीजिये |

Question-16: Explain the meaning and types of siddhant and chhal.

प्रश्न संख्या-16 सिद्धांत और छल के अर्थ और प्रकारों को स्पष्ट कीजिये |

Question-17: Illustrate the meaning of perception and explain its types.

प्रश्न संख्या-17 प्रत्यक्ष का अर्थ समझाते हुए उसके प्रकारों का वर्णन कीजिये |

Question-18: Describe the testimony as a pramana.

प्रश्न संख्या-18 शब्द प्रमाण की व्याख्या कीजिये |

---PAPER CODE: --- MPI-C104
--- पेपर कोड --- MPI-C104